पंचमः पाठः

बालगीतम्

चटका ब्रूते चूँ चूँ चूँ।

वदति कुक्कुटः कुकडूँ कूँ ।

वदति कोकिलः कुहू कुहू।

हर्षयामो मुहुः मुहुः।।

शिखिनः वाणी केका केका।

टर्र-टर्र कुरुते मण्डूक:।

बालो विहसति हा हा हा।

काक: प्रलपति का का का।

वदति कुक्कुरो भौं भौं भौं।

वदति वानर: खौं खौं खौं।

निर्देश-

छात्र उपर्युक्त बालगीत का सस्वर वाचन करें।

अभ्यास:

मौखिक:

१ .रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क)चटका ब्रूते ---------।

(ख)शिखिन: वाणी ----------।

(ग)काक: प्रलपति ----------।

(घ)वदति वानर: ----------।

शब्दार्था:

चटका- गौरैया,ब्रूते- बोलती है, कुक्कुट:-मुर्गा, कोकिल: -कोयल, हर्षंयामो- (याम:) हम सब प्रसन्न होते हैं।, मुहु: मुहु:- बार-बार, शिखिन: वाणी- मोर की बोली, कुरुते- करते हैं, मण्डूक: - मेढक, विहसति- हँसता है, प्रलपति- बोलता है, कुक्कुर:- कुत्ता, वानर:- बन्दर।